वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 192 | सोमवार 7 नवम्बर 2022 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

जयपुर समेत 10 जिलों में वनपाल भर्ती परीक्षा संपन्न

5 लाख 59 अभ्यर्थियों ने कराया रजिस्ट्रेशन, 45.79% हुए शामिल

जयपुर. कासं

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की ओर से दो परियों में वनपाल भर्ती परीक्षा का आयोजन किया गया। 99 पदों के लिए होने वाली भर्ती परीक्षा प्रदेश के 10 जिलों के 1718 परीक्षा केंद्र में आयोजित की गई। जिसके लिए 5 लाख 59 हजार अभ्यर्थियों ने रजिस्ट्रेशन करवाया था। इनमे से 2 लाख 56 हजार 350 अभ्यर्थी (45.79%) परीक्षा में शामिल हुए। वनपाल भर्ती परीक्षा देने वाली रश्मि ने बताया कि पेपर काफी आसान था। ऐसे में कटऑफ 70% तक जा सकती है। वहीं मनीष ने कहा कि सभी सवाल सिलेबस से थे लेकिन मैं रिस्क नहीं लेना चाहता। इसलिए वनरक्षक भर्ती परीक्षा का पेपर भी दूंगा। ताकि किसी भी तरह सरकारी नौकरी हासिल कर सकू। वनपाल भर्ती परीक्षा में बोर्ड द्वारा नकल रोकने के लिए पुलिस और एसओजी की टीम तैनात की गई थी। इस दौरान परीक्षा केंद्रों पर मेटल डिटेक्टर से जांच के बाद अभ्यर्थियों को प्रवेश दिया गया।

हॉट-एयर बैलून से धरती पर पहुंचे भगवान परशुराम

विप्र महासभा ने दिए गौरव अवॉर्ड, दीपावली स्नेह-मिलन अन्नकूट प्रसादी में शामिल हुए ब्राह्मण परिवार

जयपुर. कासं

जयपुर के मानसरोवर में विप्र महासभा और श्री परशुराम सेना की ओर से दीपावली स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें प्रदेशभर से ब्राह्मण समाज के साथ कई सामाजिक संगठनों की प्रबुद्ध जन शामिल हुए। इस दौरान हॉट एयर बैलून पर सवार होकर भगवान परशुराम आसमान से जमीन पर पहुंचे। जिनके दर्शन के लिए बड़ी संख्या में विप्र बंधु इकट्ठा हुए। इस दौरान गणेश जी और भगवान परशुराम की आरती के साथ कार्यक्रम की शुरूआत की गई। इस दौरान सांसद रामचरण बोहरा, डॉ अर्चना शर्मा, पूर्व मंत्री अरुण चतुर्वेदी के साथ ब्राह्मण समाज के प्रबुद्ध जन मौजूद रहे। इस दौरान विप्र महासभा और श्री परशुराम सेना की ओर से विप्र गौरव अवार्ड समारोह का आयोजन भी किया गया। जिसमें प्रदेशभर से ब्राह्मण समाज के उन लोगों को सम्मानित किया गया। जो पिछले लम्बे वक्त से सामाजिक क्षेत्र में समाज का नाम रोशन कर रहे है। इनमें शिक्षा, खेलकूद, साहित्य, सामाजिक, राजनीतिक, पत्रकारिता, व्यवसाय और मेडिकल क्षेत्र में श्रेष्ठ कार्य करने वाले 100 से ज्यादा ब्राह्मण समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। विप्र महासभा के अध्यक्ष सुनील ने बताया कि सामाजिक, राजनीतिक क्षेत्र के साथ सभी क्षेत्रों में ब्राह्मण समाज के युवाओं का बोलबाला है। ऐसे में आज 100 से ज्यादा ब्राह्मण युवक और युवतियों को सम्मानित किया गया है। ताकि उन्हें देख समाज के दूसरे बच्चे भी खुद को मोटिवेट कर भविष्य में बेहतर मुकाम हासिल कर समाज का नाम रोशन कर सकें। विप्र महासभा के प्रदेश महामंत्री मनीष मुद्गल ने बताया कि वे विप्र गौरव अवार्ड के साथ दिवाली स्नेह मिलन कार्यक्रम भी रखा गया था। जिसमें समाज के हर उम्र, वर्ग और क्षेत्र से जुड़े सदस्य शामिल हुए थे। जिन्होंने समाज के उत्थान के साथ भविष्य की चुनौतियों पर चिंतन और मंथन किया। इसके साथ ही किस तरह सामाजिक कुरीतियों को दूर किया जा सकता है। उसको लेकर भी रणनीति तैयार की गई। सम्मान समारोह में विप्र महासभा के अध्यक्ष सुनील उदेईया, महासभा के प्रदेश महामंत्री मनीष मुदगल, संरक्षक सुरेंद्र पाराशर, मेडिकल प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डॉ सोमेंद्र सारस्वत, युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष योगेंद्र भारद्वाज, अनिल चतुर्वेदी, युवा बोर्ड उपाध्यक्ष सुशील पारीक, खादी बोर्ड सदस्य राजकुमार शर्मा, विप्र बोर्ड सदस्य सीताराम नेहरू, पुलिस उपमहानिरीक्षक जगदीश शर्मा, आरएएस पंकज ओझा, आरएएस गोवर्धन शर्मा, आरपीएस दिनेश शर्मा और 33 जिलों से ब्राह्मण समाज के हर उम्र के सदस्य मौजूद रहे।

प्रदेश के 60 हजार से अधिक सरकारी स्कूलों में शुरू होगा ''चेस इन स्कूल''

पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जयंती से विद्यालयों में बच्चे खेलेंगे शतरंज

जयपुर. कासं

प्रदेश के 60 हजार से अधिक सरकारी विद्यालयों में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जयंती (19 नवंबर) से ''चेस इन स्कूल'' कार्यक्रम प्रारम्भ होगा। इसके बाद हर महीने के तीसरे शनिवार को ''नो बैग डे'' के दौरान स्कूलों में शतरंज खेला जाएगा। शिक्षा मंत्री डॉ. बी. डी. कल्ला ने रविवार को बीकानेर के रमेश इंग्लिश स्कूल में 66वीं जिला स्तरीय विद्यालयी खेलकूद के तहत शतरंज प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह के दौरान यह बात कही। उन्होंने कहा कि देशभर में पहली बार राजस्थान में यह पहल होने जा रही है। इसके तहत प्रदेश के 60 हजार से अधिक स्कूलों में खेल ग्रांट से चेस बोर्ड एवं अन्य आवश्यक सामग्री खरीदी जाएगी और बच्चों को शतरंज में पारंगत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मस्तिष्क के समुचित विकास के लिए शतरंज जैसे खेल खेलना जरूरी है। शिक्षा मंत्री ने बताया कि पहली बार शतरंज को स्कूली खेलों में शामिल किया गया है। इसके बाद शतरंज की जिला और राज्य स्तरीय प्रतियोगिताएं हो रही हैं। इन प्रतियोगिताओं में भागीदारी निभाने वाले बाल शातिर आने वाले समय में शतरंज की राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्पधाओं में राजस्थान का नाम रोशन करें। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा है कि राजस्थान के अधिक से अधिक शातिर ग्रैंड मास्टर बनें। उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि आज बच्चे टीवी, मोबाइल और वीडियो गेम के जाल में फंसते जा रहे हैं। इसे बच्चों का मानसिक विकास अवरूद्ध होता है।

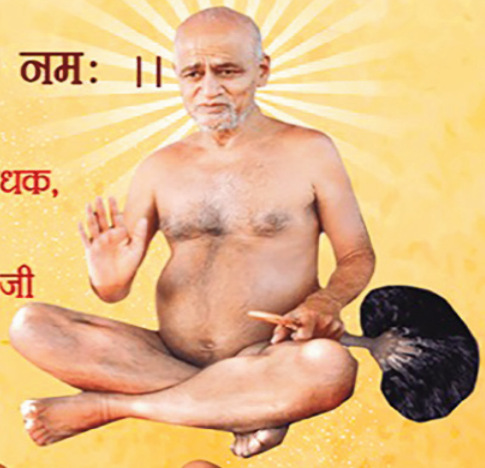

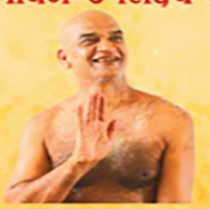

।। देवाधिदेव 1008 श्री आदिनाथाय नमः ।।
।। श्री विद्यासागराय नमः ।।
देवाधिदेव 1008 श्री आदिनाथाय नमः
परम श्रद्धेय अन्तर्यात्री महापुरुष, अपराजेय साधक, युगपुरुष, संस्कृति शासनाचार्य, संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महामुनिराज के स्वर्णिम आचार्य पदारोहण दिवस के पावन उपलक्ष्य में
निर्यापक मुनिपुंगव श्री 108 सुधा सागर जी महाराज
मुनि श्री 108 पूज्य सागर जी महाराज
ऐलक श्री 105 धैर्य सागर जी महाराज
क्षुल्लक श्री 105 गंभीर सागर जी महाराज
50वां स्वर्णिम आचार्य पदारोहण दिवस
महा आरती
मार्गशीर्ष कृष्ण 2
दिनांक - 10 नवम्बर 2022 को रात्रि 8 बजे
भारत की दिगम्बर जैन समाज से राष्ट्रीय महिला महासमिति,
आह्वान करती है कि अपने अपने मंदिर में या विशेष स्थान पर सामुहिक महाआरती करें।
सबके हाथों में दीपक होना चाहिये।
सामने आचार्य भगवान की फोटो रखें और उपर बैनर लगायें तथा साथ में बड़ी घड़ी लगायें।
आचार्य श्री की महाआरती हेतु लाउडस्पीकर का प्रबन्ध अवश्य करें।
कार्यक्रम की फोटो और वीडियो बनायें तथा अपने अपने क्षेत्र के अखबारों में प्रचार-प्रसार करें।
श्रीमति सुशीला पाटनी
(आर. के. मार्बल ग्रुप)
परम शिरोमणि व राष्ट्रीय परामर्शक
आओ हम सब मिलकर, बनायें वर्ल्ड रिकॉर्ड
राष्ट्रीय संयोजक
श्रीमति शीला डोडिया
मुख्य समन्वयक
व
राष्ट्रीय अध्यक्षा
श्रीमति संगीता कासलीवाल, मुम्बई
डॉ. वन्दना जैन, जयपुर
श्रीमति शालिनी बाकलीवाल, जयपुर
श्रीमति मन्जू अजमेरा, इन्दौर
श्रीमति डिम्पल गदिया, पुणे
श्रीमति इन्दु गाँधी, अशोक नगर (म.प्र.)
श्रीमति सुधा गंगवाल, गुवाहाटी
श्रीमति शोभा जैन, छत्तीसगढ़
श्रीमति शोभा ताई, सदलगा (कर्नाटक)
श्रीमति अलका जैन, मदुराई
श्रीमति कल्पना जैन, देहरादून
श्रीमति मीना बगड़ा, आसाम
श्रीमति अलका जैन, दिल्ली
श्रीमति प्रीति जैन, अहमदाबाद
श्रीमति अनीता जैन, कोलकाता
श्रीमति शांता जैन, हरियाणा
श्रीमति समता गोदिका, जयपुर
कृपया महाआरती का एक मिनट का वीडियो बनाकर दिये गये नम्बर पर भेजें
अधिक जानकारी हेतु सम्पर्क करें तथा वीडियो और न्यूज़ कवरेज दिये गये नम्बर पर भेजें:
संयोजकः श्री अजय जैन मोहनबाड़ी, अरिहन्त नाट्य संस्था, जयपुर
+91-88548-8400, +91-76150-60671
आयोजकः राष्ट्रीय महिला महासमिती

आचार्य श्री सुनील सागर जी ने कहा...

जहां सब जीवों को शरण मिल जाए वही समवशरण है

जयपुर. शाबाश इंडिया

भट्टारकजी की नसिया में विराजे भगवान ऋषभदेव और यहीं आचार्य गुरुवर श्री सुनील सागर महा मुनिराज की अपने संघ सहित कल्पद्रुम महामंडल विधान में समवशरण सिंहासन पर विराजमान हैं। प्रातः को कल्पद्रुम विधानमंडल के आयोजन के तहत कुबेर इन्द्र राजीव जैन गाजियाबाद एवं ओमप्रकाश काला विद्याधर नगर वालों ने, अंकित जैन, शांति कुमार सौगाणी ने भगवान श्री जी को पंडाल में विराजमान किया। भगवान जिनेंद्र का जलाभिषेक एवं पंचामृत अभिषेक हुआ, उपस्थित सभी महानुभावों ने पूजा कर अर्घ्य अर्पण किया। पश्चात आचार्य श्री शशांक सागर गुरुदेव के श्री मुख से शान्ति मंत्रों का उच्चारण हुआ, सभी जीवो के लिए शान्ति हेतु मंगल कामना की गई। सन्मति सुनील सभागार मे प्रतिष्ठाचार्य प. सनत कुमार जी ने मन्त्रोच्चारों के साथ कल्पद्रुम विधान का विधिवत शुभारंभ किया ।आचार्य भगवंत को अर्घ्य अर्पण करते हुए शांति कुमार- ममता सोगानी जापान वाले व राजीव गाजियाबाद व अन्य ने चित्र अनावरण और दीप प्रज्जवलन कर धर्म सभा का शुभारंभ किया। उक्त जानकारी देते हुए चातुर्मास व्यवस्था समिति के प्रचार मंत्री रमेश गंगवाल ने बताया कि मंगलाचरण सीमा गाजियाबाद ने किया व मंच संचालन इंदिरा

बड़जात्या ने किया । चातुर्मास व्यवस्था समिति के महामन्त्री ओमप्रकाश काला ने बताया पूज्य आचार्य भगवंत की पावन निश्रा में, आठ दिवसीय विधान के पंचम दिवस पर आचार्य भगवन्त के श्री मुख से पूजा उच्चरित हुई। चातुर्मास व्यवस्था समिति के मुख्य संयोजक रूपेंद्र छाबड़ा व राजेश गंगवाल ने बताया आचार्य भगवंत के चरण पखारेगा है शांति कुमार- ममता सोगानी जापान वाले परिवार ने ।पूज्य आचार्य भगवंत को गजेंद्र जैन सिद्धार्थ जैन के द्वारा जिनवाणी शास्त्र भेंट किया गया। कल्पद्रुम विधान महामंडल के अंतर्गत प्रातः 6:30 जलाभिषेक पंचामृत अभिषेक और शांति धारा होगी आज विधानमंडल में 22 पूजा संपन्न हो चुकी हैं कल 2 पूजाएं होंगी। दोपहर मे आचार्य भगवंत शशांक सागर गुरुदेव भी पिच्छी परिवर्तन समारोह में विराजमान थे। पूज्य आचार्य श्री ने संयम उपकरण के महत्व को समझाया। पूज्य गुरु माता स्वस्ति भूषण माताजी भी संयम उपकरण परिवर्तन के भव्य कार्यक्रम में विराजित थी। आचार्य भगवन्त श्री सुनील सागर गुरुवर ने अपने प्रवचन मे बताया कि श्री जिनालय, भक्ति का आत्म कल्याण का महत्वपूर्ण स्थान है। जब कोई व्यक्ति थक जाता है तो बिस्तर पर चला जाता है उस ही तरह से संसार की थकान मिटाने के लिए मानव जिनालय चला जाता है। जिनालय में कमल का आसन होता है देवपुष्प वृष्टि कर रहे होते हैं अष्ट प्रतिहार्य भी विराजमान है मंदिर समवशरण का ही रूप है। समवशरण जहां सबको शरण मिल जाए वही समवशरण है ।समवशरण में लूले लंगड़े व्यक्तियों की अपंगता दूर हो जाती है। समवशरण इतना प्रभावशाली होता है।

वेद ज्ञान

हमेशा सत्य की विजय होती है...

जब हम किसी तथ्य को देखते या सुनते हैं तो हम उसे स्वीकार करते हैं या अस्वीकार। जब हम इसे स्वीकार करते हैं, तो इसके दावे को सत्य और अस्वीकार करने में उसे असत्य कहते हैं। विश्वास या अविश्वास हमारी साधारण मानसिक अवस्था है। असल में सत्य पूर्ण रूप से एकतरफा नहीं होता। रस्सी को देखकर सांप समझ लेना सत्य नहीं है, लेकिन उसे सांप समझकर हमारे मन में जो भय उत्पन्न होता है वह सत्य है। जो दिखाई दे रहा है, जरूरी नहीं कि वही सत्य हो, लेकिन उसे समझना सत्य है अर्थात असत्य को जान लेना ही सत्य है। असत्य को जानकर ही व्यक्ति सत्य की राह पर आ जाता है। वैसे सत्य को जानना कठिन नहीं है, बल्कि सत्य को समझना, सुनना और सत्य आचरण करना कठिन जरूर है। सत्य एक ऐसा तथ्य है, जिसमें बड़े-बड़े ज्ञानी भी भ्रमित हो जाते हैं। सत्य को समझने के लिए एक तार्किक बुद्धि की आवश्यकता होती है और तार्किक बुद्धि भ्रम और द्वंद्व के मिटने से आती है। जब हमारा मन, वचन और कर्म एक समान हो तो हमारा भ्रम मिट जाता है और हम सत्य को समझने लगते हैं। सत्य को अक्सर कड़वा माना जाता है, इसलिए लोग इसका अनुसरण करने में डरते हैं। उन्हें यह भय सताता है कि सत्य सुनकर या जानकर उनके परिजन-करीबी उनसे दूर हो जाएंगे, लेकिन सत्य का यही कड़वापन इसे सत्य भी बनाए रखता है। हम भले ही झूठ का कितना ही साथ क्यों न दें, लेकिन एक दिन सत्य हमारे सामने आ खड़ा होगा। सत्य से भागना या घबराना नहीं चाहिए, बल्कि कैसी भी परिस्थिति क्यों न आ जाए, हमें सत्य का साथ कभी नहीं छोड़ना चाहिए। गीता में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं कि सत्य परेशान हो सकता है, लेकिन पराजित नहीं। अंत में जीत सत्य की ही होती है। हमारे देश का आदर्श वाक्य भी यही है, 'सत्यमेव जयते' यानी सत्य ही जीतता है। सत्य के साथ रहने वाले मनुष्य का मन हल्का और चित्त प्रसन्न रहता है, जिसका असर उसके स्वास्थ्य पर पड़ता है। वह हमेशा निरोगी रहता है। सत्य बोलने वाले व्यक्ति को समाज में एक अलग पहचान मिलती है। लोग उससे निःसंकोच जुड़ जाते हैं, क्योंकि वे जान जाते हैं कि सत्यवादी व्यक्ति उनके साथ छल-कपट नहीं करेगा।

संपादकीय

जिम्मेदारी लेने से बच रहे हैं लोग

आमतौर पर हादसों को 'भगवान की मर्जी' कह कर टालने की कोशिश की जाती है। अब जब साफ हो चुका है कि गुजरात के मोरबी में झूलता पुल उसके रखरखाव की जिम्मेदारी संभाल रही कंपनी की घोर लापरवाही की वजह से टूटा, तब भी उस कंपनी के एक प्रबंधक इसकी जिम्मेदारी 'भगवान' पर डाल कर मुक्त हो जाना चाहते हैं। ओरेवा नामक कंपनी को इस पुल की मरम्मत, रखरखाव और उस पर लोगों की आवाजाही की व्यवस्था संभालने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। यह काम बिना कोई निविदा आमंत्रित किए दे दिया गया था। ओरेवा दीवार घड़ी, मच्छर मारने का रैकेट और कैलकुलेटर जैसी चीजें बनाने का काम करती है। स्वाभाविक ही सवाल उठा कि उसे पुल की मरम्मत और रखरखाव का काम सौंपा ही क्यों गया। अब यह भी पता चला है कि ओरेवा ने जिस कंपनी की मदद से पुल की मरम्मत कराई, उसे भी झूलता पुल बनाने का कोई अनुभव नहीं था। उसने केवल मामूली रंग-रोगन करके अपनी

जिम्मेदारी पूरी कर दी। फिर बिना अनापत्ति प्रमाण-पत्र लिए पुल को आनन-फानन में खोल दिया गया। अब फोरेंसिक विभाग की जांच में पता चला है कि पुल जिन लोहे की रस्सियों पर लटका था वे काफी पुरानी हो चुकी थीं, उन्हें जंग खा रहा था। उनमें लोच बिल्कुल नहीं रह गई थी। उनमें लगे नट-बोल्ट जर्जर हो चुके थे। कायदे से उन्हें बदला जाना चाहिए था, मगर ऐसा करना तो दूर, उनमें तेल, ग्रीस आदि लगाने की जरूरत भी नहीं समझी गई। लापरवाही और अनदेखी के इतने सबूत मिलने के बाद भी अगर उस कंपनी के एक प्रबंधक अदालत में खड़ा होकर यह कह रहे हैं कि भगवान की करनी की वजह से पुल टूटा, तो उनकी ढिठाई को समझा जा सकता है। आमतौर पर हादसों को 'भगवान की मर्जी' कह कर टालने की कोशिश की जाती है। कई बार जांचों का सिरा भी इसी बिंदु को पकड़ कर चल पड़ता है। इस तरह ऐसे बड़े हादसों पर परदा डालना आसान हो जाता है। इसलिए साफ है कि कंपनी के प्रबंधक ने नासमझी में उस हादसे का दोष भगवान पर नहीं डाला। ऐसा कहने के लिए उनके वकील ने सलाह दी होगी। इस तरह अदालत का ध्यान भटकाना आसान हो जाता है। कई मामलों में हादसों के पीछे 'भगवान की मर्जी' वाला तर्क कानूनी रूप से स्वीकार भी कर लिया जाता है। मगर मोरबी हादसे के पीछे जितने पुख्ता सबूत सामने आ चुके हैं, उन्हें देखते हुए शायद ही यह बात किसी के गले उतरे कि वह पुल संयोगवश टूट गया। जिस दिन पुल टूटा, उसी दिन से तथ्य उजागर हैं कि ओरेवा कंपनी के मालिक कितने रसूखदार हैं। उन्हें उस पुल के रखरखाव और संचालन का ठेका कैसे मिला होगा। यह भी छिपी बात नहीं है कि पुलों, सड़कों आदि के निर्माण, टोल नाकों पर कर संग्रह आदि के ठेके कैसे लोगों को मिलते हैं। ओरेवा इस मामले में अपवाद नहीं मानी जा सकती। ऐसे ठेकों में भारी कमीशनखोरी और खराब गुणवत्ता की सामग्री तथा तकनीक इस्तेमाल करने के तथ्य भी छिपे हुए नहीं हैं। फिर जब ऐसे निर्माण और रखरखाव में खामी की वजह से कोई बड़ा हादसा हो जाता है, तो उस ठेके से जुड़े तमाम लोग उस पर परदा डालने में जुट जाते हैं।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

महंगाई पर नजर

महंगाई पर काबू पाने को लेकर एक बार फिर केंद्रीय रिजर्व बैंक ने भरोसा जताया है। आरबीआइ के गवर्नर ने कहा है कि बैंक की नजर महंगाई पर लगातार बनी हुई है और जल्दी ही इस पर काबू पा लिया जाएगा। इस बात को उन्होंने उपलब्धि के रूप में रेखांकित किया कि समय रहते ब्याज दरों को संतुलित कर महंगाई की तीव्रता को रोक लिया गया, नहीं तो स्थिति और बुरी हो सकती थी। हालांकि रिजर्व बैंक का मकसद है कि महंगाई को अगर छह फीसद के स्तर पर रोक दिया जाए, तो वह सहन करने लायक हो सकती है। मगर पिछली तीन तिमाहियों यानी नौ महीने से महंगाई पर अंकुश लगा पाना रिजर्व बैंक के लिए मुश्किल बना हुआ है। इस संबंध में वह सरकार को रिपोर्ट भी सौंपेगा कि क्यों वह महंगाई को नहीं रोक पाया। नियम के मुताबिक उसे ऐसा करना जरूरी है। इससे यह कयास पुख्ता हुआ है कि रिजर्व बैंक एक बार फिर ब्याज दरों में बढ़ोतरी का फैसला कर सकता है। इसके पहले थोड़े-थोड़े समय बाद रेपो दरों में बढ़ोतरी के सकारात्मक नतीजे भी सामने आए हैं, जिससे स्वाभाविक ही एक बार फिर रेपो दरों में बढ़ोतरी का दबाव बना हुआ था। हालांकि महंगाई को चार फीसद पर रोकना अर्थव्यवस्था के लिए बेहतर माना जाता है, मगर कोरोना महामारी और फिर कच्चे तेल की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव और वैश्विक आर्थिक उथल-पुथल के बीच इसे साधना कठिन होता गया। अब उसका अनुमान है कि अगले वित्तवर्ष तक महंगाई का रुख नीचे की तरफ हो जाएगा। मगर महंगाई पर काबू पाने के लिए केवल रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति कारगर औजार साबित नहीं होती। इस वक्त अर्थव्यवस्था के मामले में सभी मोर्चों पर चुनौतियां बनी हुई हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत अनिश्चित रुख बनाए हुई है। व्यापारिक गतिविधियां काफी कमजोर स्थिति में हैं। निर्यात की दर चिंताजनक स्तर पर नीचे पहुंच गई है, जबकि आयात लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में विदेशी मुद्रा भंडार छीज रहा है। घरेलू बाजार में रौनक इसलिए नहीं लौट पा रही कि लोगों की क्रयशक्ति काफी कमजोर हो चुकी है। इसका बड़ा कारण बहुत सारे लोगों का काम-धंधा बंद हो जाना, नौकरियां खो देना, छोटे, मंझोले और लघु उद्योगों का बंद हो जाना है। हालांकि सरकार ने नए सिरे से कारोबार शुरू करने के लिए आसान शर्तों पर कर्ज उपलब्ध कराने की घोषणा की, पर उससे लोग उत्साहित नजर नहीं आए। इस तरह रोजगार के मामले में अनिश्चितता बनी हुई है। रिजर्व बैंक ने रेपो दर में बढ़ोतरी कर बचत को आकर्षित करने में तो कुछ कामयाबी हासिल की, मगर जिन लोगों ने कर्ज लेकर काम-धंधे शुरू किए थे, उन पर ब्याज का बोझ बढ़ गया। फिर तेल की कीमतें कम न होने की वजह से उत्पादन पर असर पड़ रहा है, वस्तुओं की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। सबसे चिंता की बात यह कि थोक महंगाई पर काबू नहीं पाया जा पा रहा है। साफ है कि बड़े उद्योगों में उत्पादन और उनके उत्पाद की मांग घटी है। इस तरह अर्थव्यवस्था में इस क्षेत्र का योगदान तीन फीसद के आसपास पहुंच गया है। रिजर्व बैंक मौद्रिक नीति से बाजार में पूंजी के प्रवाह को संतुलित करने का प्रयास तो कर सकता है, मगर केवल इतने से महंगाई पर काबू पाने का दावा करना मुश्किल है।

मुनि पुंगवश्री सुधासागरजी महाराज ने कहा...

अच्छा आदमी गन्दे कार्य करेगा तो बर्बाद हो जायेगा

देश का सर्व श्रेष्ठ आफिस बन रहा है थूवोनजी में, चन्द्रोदय तीर्थ कमेटी का ललितपुर में हुआ सम्मेलन

ललितपुर. शाबाश इंडिया

अच्छा आदमी गंदा कार्य करेगा तो बर्बाद हो जायेगा। अच्छी जाति का व्यक्ति खराब काम करेगा तो बर्बादी निश्चित है। अच्छे कुल में जन्मे आदमी गन्दे काम नहीं कर सकते आम के पेड़ पर बबूल नहीं आम ही आना चाहिए। आपकी बुरी आदतें आपके कुल को दूषित करेगी पूर्वजों की कीर्ति को कलंकित करेगी। ऐसे काम मत करना जो जो पाप तुम्हारे पिता करते है वहीं तुम करते हो तो उतना नहीं लगेगा लेकिन जब तुम्हारे पिता पाप नहीं करते और तुमने किया तो बहुत बड़ी सजा होगी उससे मैं घबराता हूं । यदि आपका बाप पापी है आपके पूर्वज पाप में लिप्त है तो कर्म वंध कम होगा आपके पूर्वज अच्छे हैं तो आपको अच्छा काम करना है उक्त आश्य के उद्गार मुनिपुगंव श्रीसुधासागर जी महाराज ने ललितपुर में धर्म सभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। तीर्थ के विकास के लिए हम सतत् प्रयास शील है। मध्यप्रदेश महासभा के संयोजक विजय धुर्रा ने बताया कि मुनिपुंगव श्रीसुधासागर जी महाराज के सान्निध्य में चन्द्रोदय तीर्थ चांदखेड़ी कमेटी का सम्मेलन सम्पन्न हुआ। जहां भारत वर्षीय तीर्थ कमेटी के पूर्वराष्ट्रीय उपाध्यक्ष हुकम काका ने कहा कि रास्ते में दर्शनोंदय तीर्थ थूवोनजी का भ्रमण किया , देखकर लगा कि थूवोनजी में देश का सबसे सुन्दर आफिस तैयार हो रहा है । आपके आशीर्वाद जो कार्य हो रहा है बहुत अच्छा हो रहा है तीर्थ कमेटी आपकी प्रतीक्षा कर रही है हमें पिछला चातुर्मास मिला था और आज पूरी कमेटी अपनी बात रख रही है हम सब तीर्थ के विकास के लिए सतत प्रयास शील है कमेटी के कोषाध्यक्ष गोपाल जी एडवोकेट ने कहा कि बड़े बाबा के दिव्य दरवार में पच्चीस फिट लम्बे पाषाण वीम को आपके आशीर्वाद से ही स्थापित कर पाये है इस दौरान कार्याध्यक्ष अजय वाकलीवाल महामंत्री नरेश वेद ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की सम्मेलन में मनीष मोहिवाल अशोक सेठी अनुराग जैन सहित अन्य भक्तों ने अपनी वात रखी। इस दौरान मुनि पुगंव ने चांद खेड़ी कमेटी को आशीर्वाद देते हुए कहा कि कमेटी बहुत अच्छा काम कर रही है हमें कमीयों को देखकर उन्हें सुधारना है । मैं प्रशंसा करने वाले से कम आलोचकों से अधिक खुश होता हूं , तब ही कमीया दूर होती है। उन्होंने कहा कि नेता और गुरु में एक ही अंतर होता है नेता माला पहनने में आगे और संकट में सबसे पीछे रहता है जबकि गुरु संकट के समय सबसे आगे रहते हैं गुरु के रहते शिष्य पर संकट नहीं आ सकता यही विशेषता गुरु से जगत को अलग स्थान दिलाती है ।

आज जयपुर आएंगे विश्वगुरु परमहंस महामंडलेश्वर महेश्वरानंद जी

जयपुर. शाबाश इंडिया

विश्वगुरु परमहंस महामंडलेश्वर महेश्वरानंद जी सोमवार को सुबह 8 बजे श्री देवपुरीजी आश्रम, कैलाश, सीकर से जयपुर के श्याम नगर स्थित ओम विश्व गुरुदीप आश्रम पधारेंगे। आश्रम के महामंडलेश्वर ज्ञानेश्वर पुरी महाराज न बताया कि इस मौके पर स्वामी जी के सानिध्य में भजन व सत्संग के कार्यक्रम होगा। इस मौके पर स्वामी जी आमजन को शाकाहारी जीवन पद्धति को अपनाने का संदेश देंगे। गौरतलब है कि स्वामीयोग पद्धति से संपूर्ण विश्व में निरोग जीवन पर बल देने के साथ शाकाहारी जीवन पद्धति के गुणों को अपने प्रवचनों से स्वामीजी जनमानस तक पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं। भारत में भी अब जो मांसाहार का सेवन बढ़ता जा रहा है। उसकी रोकथाम के लिए स्वामीजी भारत आए हैं और जगह जगह पर अपने प्रवचनों से लोगों को शाकाहारी बनने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

आचार्य विनित सागर जी महाराज ने कहा...

पुरानी पिच्छिका जब तुम्हारे जीवन मे आ जायेगी तो पिच्छिका ग्रहण करने का भाव भी स्वतः ही बन जायेगा

कांमा, भरतपुर. शाबाश इंडिया। पुरानी पिच्छिका जब तुम्हारे जीवन मे आ जायेगी तो पिच्छिका ग्रहण करने का भाव भी स्वतः ही बन जाता है और आप संयम के मार्ग पर आगे बढ़ जाओगे। वैसे मयूर पिच्छीका संयम का प्रतीक तो है ही साथ ही जीवों की रक्षार्थ व अहिंसा के पालनार्थ जैन संतो द्वारा धारण की जाती है। उक्त प्रवचन वर्षायोग निष्ठापन एव पिच्छिका परिवर्तन समारोह में कोट ऊपर स्थित आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर के प्रांगण में आचार्य विनित सागर जी महाराज ने व्यक्त किये। वर्षायोग समिति के महामंत्री संजय सर्राफ ने बताया कि कार्यक्रम से पूर्व विजय मती त्यागी आश्रम से कार्यक्रम स्थल तक बैंड बाजों में जैन धर्म के जयकारों के साथ गुरुदेव का मंगल प्रवेश हुआ। ध्वजारोहण दिनेश चंद, नवीन कुमार जैन ठेकेदार कामा, मंच उद्घाटन जैन मित्र मंडल कामा, क्षेत्र अनावरण दीपक जैन, दीपांशु जैन फरीदाबाद दीप प्रज्वलन मुकेश जैन भट्टे वाले कोसीकला ने किया। मंगलाचरण छवि जैन, छाया जैन बड़जात्या द्वारा किया गया तो वही सांस्कृतिक प्रस्तुति अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन महिला परिषद की महिला कार्यकर्ताओं ने प्रस्तुत की।

भगवान जिनेन्द्र देव की महाआरती के लिए गाजेबाजे से निकाली शोभायात्रा

निवाई. शाबाश इंडिया। आर्यिका विज्ञा श्री माताजी के सानिध्य में अग्रवाल जैन मंदिर पर नो दिवसीय सिद्ध चक्र मण्डल विधान के अन्तर्गत शनिवार की रात में जिनेन्द्र देव की महाआरती की शोभायात्रा निकाली गई जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने महाआरती की भव्य अगुवानी की गई। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला व राकेश संधी ने बताया कि महाआरती की शोभायात्रा शनिवार की रात्रि में गाजेबाजे के साथ स्टेट बेंक आफ इंडिया के समीप जैन भवन से रवाना होकर अग्रवाल जैन मंदिर पहुंची । जहाँ समाजसेवी पवन कुमार जैन, सत्यनारायण जैन, विनोद कुमार जैन, गिर्राज जैन, महेश जैन ने भक्ति नृत्य करते हुए महाआरती की अगुवानी की तथा सिद्ध चक्र मण्डल विधान स्थल पर भगवान शांतिनाथ , पंचपरमेष्ठी की आरती एवं सिद्ध चक्र मण्डल विधान की आरती संगीत के साथ की गई । जिसमें सेकडों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। जौंला ने बताया कि महाआरती की शोभायात्रा के मार्ग मे श्रद्धालु नाचते गाते हुए पुष्पवृष्टि करते हुए चल रहे थे। महाआरती स्थल पर विधानाचार्य जिनेश भैया ,सोधर्म इन्द्र महेन्द्र जैन,रामपाल जैन, ज्ञानचंद जैन, महेन्द्र जैन, ताराचंद जैन, विनोद जैन, महेन्द्र चंवरिया, सुनील भाणजा, महावीर प्रसाद पराणा, सुशील जैन, देवेन्द्र आंडरा, राजेश सांवलिया, नेमीचंद जैन, विमल सोगानी, संजय सोगानी, प्रदीप जैन, राहुल जैन सहित अनेक इन्द्र इन्द्राणियो एवं श्रद्धालुओं ने महाआरती करके पूजा अर्चना की।

पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना का ''सच'' पुस्तक का हुआ विमोचन

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान हाईकोर्ट परिसर के सतीश चंद्र अग्रवाल सभागार में आयोजित किसान महापंचायत के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामपाल जाट द्वारा लिखित पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना का 'सच' नामक पुस्तक का विमोचन कार्यक्रम कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। पुस्तक का विमोचन मुख्य अतिथि पूर्व न्यायाधीश पानाचंद जैन, विशिष्ठ अतिथि बीरी सिंह सिनसिनवार (पूर्व अध्यक्ष बार कॉउंसिल ऑफ इंडिया), जसराम जी (पूर्व आईएएस), किशन गुर्जर (पूर्व जिला जज), नरेंद्र चौधरी (प्रधान खण्डार) सहित प्रदेशभर के विभिन्न जिलों से पधारे किसानों के उपस्थिति में किया गया। पूर्व न्यायाधीश पानाचंद जैन ने पुस्तक को किसानों की जीवन रेखा की संज्ञा दी एवं दोनों सरकारों से परियोजना को जल्द ही पूरा करने का आग्रह किया तथा किसानों को एकजुट रहने का भी संदेश दिया। पूर्व अध्यक्ष बार कॉउंसिल ऑफ इंडिया बीरी सिंह सिनसिनवार ने भरतपुर, धौलपुर, करौली, सवाई माधोपुर जिलों के किसानों की आय बढ़ाने के लिए तथा गरीबी से बाहर निकालने के लिए पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना का एक ही वर्ष में राजस्थान सरकार पूर्ण कर सकती है। आने वाले बजट में 30 हजार करोड़ की व्यवस्था कर 13 जिलों के किसानों को सिंचाई का पानी व पीने के पानी की आवश्यकता की पूर्ति कर सकती है। बजट में आवंटन कर डूंगरी बांध का निर्माण के लिए उद्घाटन करना चाहिए ताकि किसानों को पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना का फायदा मिल सके। पूर्व आईएएस जस्सा राम ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार आपस मे आरोप प्रत्यारोप बंद करे एवं किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए इस परियोजना का पूर्ण करने में अपना योगदान देंवे। राजस्थान के लिए सौभाग्य की बात है प्रदेश के सांसद गजेंद्र सिंह केंद्रीय जल मंत्री है। जिसका लाभ प्रदेश को तत्काल मिलना चाहिए।

किसान महापंचायत जयपुर जिले में हुई नियुक्तियां

जयपुर जिले में किसानों की आवाज को धार देने एवं किसानों को एकजुट करने को लेकर जयपुर जिला प्रभारी अभिषेक जैन बिट्टू ने राष्ट्रीय अध्यक्ष रामपाल जाट की सहमति के बाद जयपुर जिले को चार भागों (उत्तर, दक्षिण, पूर्व, पश्चिम) में बांटकर चारों के अध्यक्षों की घोषणा की। जिसमें जयपुर उत्तर से ओपी यादव, जयपुर दक्षिण से मोतीलाल खाड़लवाल, जयपुर पूर्व से नीलम क्रांति और जयपुर पश्चिम से किशनलाल मीणा को अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी प्रदान की ।

परम पूज्य निर्यापक मुनिपुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज ससंघ के सान्निध्य में

ललितपुर में 11 नवम्बर से जैन स्तोत्र साहित्यानुशीलन राष्ट्रीय विद्वत संगोष्ठी का आयोजन

अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन विद्वत परिषद् के संयोजकत्व में होगा आयोजन

ललितपुर. शाबाश इंडिया

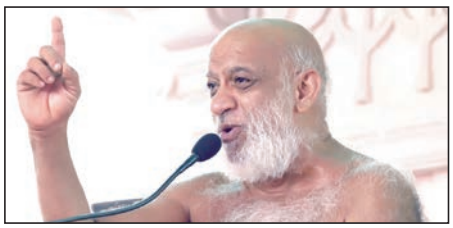

अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन विद्वत परिषद् के महामंत्री डॉ सुरेन्द्र जैन भारती बुरहानपुर एवं कार्यकारणी सदस्य डॉ सुनील संचय ललितपुर ने बताया कि परम पूज्य निर्यापक मुनिपुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज, मुनि श्री पूज्य सागर जी महाराज,ऐलक श्री धैर्य सागर जी महाराज, छुल्लक श्री गंभीर सागर जी महाराज के सानिध्य में श्री दिगंबर जैन पंचायत समिति तत्त्वावधान में श्री दिगंबर जैन अभिनंदनोदय तीर्थ ,ललितपुर में अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन विद्वत परिषद् के संयोजकत्व में जैन स्तोत्र साहित्यानुशीलन राष्ट्रीय विद्वत संगोष्ठी का आयोजन 11 से 13 नवम्बर तक किया जाएगा तथा 13 व 14 नवम्बर को अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन विद्वत परिषद् के अधिवेशन व चुनाव परिषद के अध्यक्ष प्राचार्य अरुण कुमार जैन सांगानेर की अध्यक्षता में आयोजित किया जाएगा। उक्त आयोजन में शताधिक विद्वानों के आगमन की स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। उल्लेखनीय है कि पूज्य मुनिश्री के सान्निध्य में 1993 में ललितपुर से संगोष्ठी का आयोजन शुरू हुआ था, तब से यह क्रम प्रतिवर्ष निरंतर जारी है कोविड के वर्ष छोड़कर)। एक बार फिर ललितपुर में जैन स्तोत्र साहित्यानुशीलन राष्ट्रीय विद्वत संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है जिसमें देश के प्रमुख जैन मनीषी अपने शोध-आलेख प्रस्तुत करेंगे। पूज्य मुनिश्री के समीक्षात्मक विशेष प्रवचनों का लाभ प्राप्त होगा। संगोष्ठी में डॉ रमेशचन्द जैन, नई दिल्ली ,डॉ .शीतल चंद जैन प्राचार्य जयपुर, डॉ. जयकुमार जैन मुजफ्फरनगर ,प्राचार्य अरुण कुमार जैन सांगानेर, डॉ .विजय कुमार जैन लखनऊ ,डॉ .सुरेन्द्र कुमार जैन बुरहानपुर, प्राचार्य महेन्द्र कुमार जैन मुरैना, डॉ .ज्योति जैन खतौली, डॉक्टर पंकज जैन इंदौर, डॉ. फूलचंद प्रेमी वाराणसी, प्रोफेसर कमलेश कुमार जैन वाराणसी, डॉ. अशोक कुमार जैन वाराणसी, डॉ .कमलेश कुमार जैन जयपुर, डॉ श्रेयांस जैन, डॉ उज्ज्वला गोसावी,औरंगाबाद, डॉ नरेन्द्र टीकमगढ़, ब्र. जयकुमार निशांत, डॉ सुदर्शन लाल भोपाल, डॉ .शैलेश कुमार जैन बांसवाड़ा , पंडित विनोद रजवांस, डॉ. सुमत जैन उदयपुर ,पंडित आलोक जैन,. डॉ सुनील जैन संचय, पंडित संजीव जैन,डॉ अमित जैन, डॉ नीलम सराफ, डॉ आशीष जैन सागर, डॉ आशीष जैन दमोह,मंजू लता छावड़ा जयपुर, डॉ विजय जैन लखनऊ, पंडित अशोक शास्त्री इंदौर, डा निर्मला सांघी, जयपुर, डॉ पुलक जैन गोयल, डॉ जिनेन्द्र कुमार जैन, उदयपुर, डॉ प्रदीप जैन, दमोह ,डॉ धर्मेन्द्र जैन, जयपुर . डॉ आलोक कुमार जैन, भोपाल , डॉ अनेकांत जैन दिल्ली, डॉ आनंद जैन वाराणसी, ब्र. डॉ अनिल जयपुर, डॉ राकेश जैन जयपुर, डॉ संतोष जैन, सीकर, अभिषेक शास्त्री, किरणप्रकाश शास्त्री, प्रशांत शास्त्री, सौरभ शास्त्री, डॉ ज्योतिबाबू जैन उदयपुर आदि प्रमुख विद्वान अपने शोधालेख प्रस्तुत करेंगे।

दिवाली मिलन व अन्नकूट प्रसादी का भव्य आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल युवा सम्मेलन राजस्थान इकाई के तत्वावधान में दिवाली स्नेह मिलन व अन्नकूट महोत्सव पीतल फैक्ट्री स्थित खण्डाका हॉउस में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में काफी संख्या में अग्रवाल समाजबंधुओं ने शिरकत की। प्रदेशाध्यक्ष सुनील अग्रवाल रिंगस्या ने बताया कि इस मौके पर मुख्य अतिथि पूर्व चिकित्सा मंत्री व विधायक काली चरण सराफ व रीको के निदेशक सीताराम अग्रवाल रहे। लगभग 1500 व्यक्तियों ने अन्नकूट प्रसादी का आनंद लिया। इस मौके पर प्रदेश कोषाध्यक्ष अभिजीत गोयल, मनीष मोदी बड़े गांव वाले,अंशु अग्रवाल सहित युवा टीम ने भाग लिया।

हंसमुख गांधी होंगे प्रतिष्ठा महोत्सव समिति के अध्यक्ष

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर। दिनांक 30 नवंबर से 5 दिसंबर तक चमेली पार्क गोयल नगर में होने वाले श्री नेमिनाथ जिनबिंब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के अध्यक्ष हंसमुख गांधी होंगे। गांधी ने बताया कि पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में विश्व की सबसे बड़ी 51 इंच ऊंची स्फटिक मणी की सुदर्शनीय एवं आकर्षक प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा मुनि श्री आदित्य सागर जी, मुनि श्री अप्रमित सागर जी एवं मुनि श्री सहज सागर जी के सानिध्य में संपन्न होगी। प्रतिमा को प्रतिष्ठा होने के बाद कंचन बाग स्थित समोसरण मंदिर में विराजमान किया जाएगा जिससे समोसरण मंदिर को एक नए जैन तीर्थ के रूप में पहचान मिलेगी। मीडिया प्रभारी राजेश जैन दद्दू ने बताया कि प्रतिष्ठा महोत्सव की तैयारियां द्रुतगति से जारी हैं और महोत्सव को लेकर समाज में भी काफी उत्साह है। प्रतिष्ठा के लिए आवश्यक सभी पात्रों का चयन भी हो चुका है।

दिवाली मिलन समारोह का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

परफेक्शन विद पेशेंट ग्रुप की एडमिन अमृता वी आहूजा ने ''**शाम ए सुकून**'' जश्न दिवाली मिलन समारोह का आयोजन किया। गणेश वंदना पर नृत्य से कार्यक्रम की सुंदर शुरूआत हुई। उपस्थित एक्सपर्टस ने बोन हेल्थ केयर, न्यूट्रिशन फूड रेसिपी ,वेडिंग सीजन में हेयर स्किन केयर की जानकारी दी। सभी मेंबर्स ने आपस में लाए हुए गिफ्ट एक्सचेंज किए। उपस्थित मेंबर्स में से ग्रुप की शान, जान दिवाली का पटाखा, रूप की रानी का टैग व गिफ्ट विनर्स चुने गए। सभी ने वेलकम गिफ्ट, गेम्स गिफ्ट्स, फूड का आनंद लिया। अक्टूबर और नवंबर बर्थडे मेंबर्स की केक कटिंग सेलिब्रेशन हुआ। अंत में सभी ने मिलकर अनार व फुलझड़ियां जलाकर ग्रुप मेंबर्स की जिंदगी में सुख समृद्धि सेहत व खुशियां जगमगाती रहे की कामना कर जल्द ही नेक्स्ट इवेंट में मिलने का वादा कर नई पुरानी सखियों संग ढेर सारी पिक्चर्स, विडियोज शेयर कर समापन किया।

गणिनी आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी का जयपुर से मंगल विहार बुधवार को

महावीर जी होते हुए ज्ञान तीर्थ मुरैना के लिए, चूलगिरी से होगा मंगलविहार

जयपुर. शाबाश इंडिया। भारत गौरव, स्वस्ति धाम प्रणेत्री गणिनी आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी ससंघ का मंगलवार,08 नवम्बर को जवाहर नगर के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में भव्य मंगल प्रवेश होगा। इससे पूर्व माताजी ससंघ का भट्टारक जी की नसियां से जवाहर नगर के लिए मंगल विहार होगा। चातुर्मास कमेटी के उपाध्यक्ष विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि माताजी ससंघ का मंगलवार को प्रातः 6.30 बजे भट्टारक जी की नसियां से मंगल विहार होकर प्रातः 8.00बजे जवाहर नगर पहुंचेगी। इस मौके पर अध्यक्ष महेन्द्र बख्शी एवं मंत्री अजय गोधा के नेतृत्व में मंदिर कमेटी माताजी ससंघ की भव्य अगवानी करेगी। उपाध्यक्ष प्रदीप जैन एवं समन्वयक चेतन जैन निमोडिया ने बताया कि माताजी ससंघ का जयपुर से महावीर जी होते हुए ज्ञान तीर्थ मुरैना के लिए बुधवार,09 नवम्बर को भव्य मंगल विहार होगा। माताजी ससंघ 8 नवम्बर को सायंकाल जवाहर नगर से मंगल विहार कर आगरा रोड पर खानियां स्थित राणाजी की नसियां पहुंचेगी। जहां से बुधवार को प्रातः 6.30 बजे दौसा की ओर मंगल विहार होंगा। माताजी ससंघ का दौसा में रविवार,13 नवम्बर को तथा श्री महावीरजी में रविवार,20 नवम्बर को मंगल प्रवेश प्रस्तावित है। माताजी ससंघ के मुरैना हेतु मंगल विहार में चातुर्मास कमेटी के साथ राजस्थान जैन युवा महासभा, जयपुर,श्री दिगम्बर जैन पद यात्रा संघ जयपुर सहित विभिन्न महिला मण्डल व युवा मण्डल सहभागिता निभाएगें।

सोनीनगर जैन मन्दिर में श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान का आयोजन

अजमेर. शाबाश इंडिया। श्री अदिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर सोनीनगर मन्दिर समिति, अजमेर के तत्वावधान में सोनीनगर जैन मन्दिर के कार्तिक माह की अष्टान्हिका महापर्व के अवसर पर श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान का भव्य आयोजन के अन्तर्गत 6ठवें दिन श्रीजी के अभिषेक व वृहद शान्तिधारा करने का सौभाग्य डॉ. राजकुमार गोधा, अनुपम जैन, राजेश पाटनी, कमल बाकलीवाल, जय कुमार जैन आदि परिवार ने अर्जित किया। प्रवक्ता संजय कुमार जैन ने जानकारी दी कि मन्दिरजी प्रांगण में श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान डॉ. राजकुमार गोधा के निर्देशन में मांडने पर 256 अर्घ समर्पित किये गये समर्पित करने वालो में शान्तिलाल पाटनी, सुमेरचंद बज, मोहनलाल जैन, निर्मल गदिया, कमल बाकलीवाल, प्रकाश पल्लीवाल, पवन गोधा, प्रकाश गोधा, महावीर जैन, दीपक दोसी, नवीन कासलीवाल, संजय कुमार जैन, रमेश पाटनी, पारस दोसी, जय कुमार जैन, महिलाओं में सुलोचना गोधा, मंजू पहाडिया, मंजू गंगवाल, रंजना दोसी, संगीता पाटनी, वंदना जैन, निर्मला जैन, विमला जैन, मुन्नी देवी किरण जैन, शशि सेठी, मीनाक्षी कासलीवाल, रानी पाटनी, प्रभा पाटनी आदि ने अर्घ समर्पित किये। डॉ. राजकुमार गोधा व माहसमिति के प्रवक्ता कमल गगवाल ने बताया कि श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान सिद्धों की आराधना करने के लिये किया जाता है तथा मैनासुन्दरी पर जब संकट आया तो उसने विधान कर अपने पति पर आये संकट जो कि एक कुष्ठ रोगी था उसको इस विधान करने से संकट को दूर किया इसलिये यह विधान कार्तिक मास की अष्टान्हिका मं किया जाता है । इसमें कुल 2040 अर्घ समर्पित किये जाएंगे। यह विधान 8 नवम्बर को सम्पन्न होगा।

जैन दिवाकर चौथमलजी म.सा. का गुणानुवाद

चातुर्मास में श्रेष्ठ सेवाएं देने वालों का सम्मान किया

अद्भुत आगमज्ञान रखने वाले विराट महापुरूष थे चौथमलजी म.सा.-समकितमुनिजी

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। जैन दिवाकर चौथमलजी म.सा. ऐसे विराट महापुरूष थे जिनकी विद्धता एवं आगमज्ञान अद्भुत था। निग्रन्थ प्रवचन के माध्यम से सारे आगमों का ज्ञान एक ही स्थान पर लेकर आने वाले चौथमलजी म.सा. ही थे। हर कोई उस ग्रन्थ का स्वाध्याय करें। उनका आशीर्वाद अप्रत्यक्ष रूप से चतुर्विद संघ पर एवं श्रीसंघ पर सदा बना रहे ऐसी मंगलकामना करते है। ये विचार आगमज्ञाता, प्रज्ञामहर्षि डॉ. समकितमुनिजी म.सा. ने शांतिभवन में रविवार को जगत वल्लभ जैन दिवाकर चौथमलजी म.सा. की 145 वी जयंति एवं श्रमण संघीय उपाध्याय प्रवर कस्तुरचंदजी म.सा. की दीक्षा जयंति के अवसर पर आयोजित गुणानुवाद समारोह में व्यक्त किए। समारोह में शांतिभवन श्रीसंघ की ओर से चातुर्मास में श्रेष्ठ सेवाएं देने वाले पदाधिकारियों व कार्यकताओं एवं कर्मचारियों का सम्मान भी किया गया। धर्मसभा में पूज्य समकितमुनिजी ने चौथमलजी म.सा. द्वारा रचित भजन ह्यह्यसाता किजो जी श्रीशांतिनाथ प्रभु शिव सुख दीजों जीह्लह्ल गाया तो सैकड़ो श्रावक-श्राविकाओं ने उनके साथ देते हुए चौथमलजी म.सा. के प्रति भक्तिभाव व्यक्त किए। शुरू में गायन कुशल जयवंतमुनिजी म.सा. ने गीत एवं विचारों के माध्यम से जैन दिवाकर चौथमलजी म.सा. के प्रति श्रद्धाभाव व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि जीवन के लिए प्रेरणादायी ऐसे महापुरूष का आशीर्वाद हम पर सदा बरसता रहे। धर्मसभा में प्रेरणाकुशल भवान्तमुनिजी म.सा. का भी सानिध्य मिला। समारोह में सुश्रावक प्रकाशचंद बाबेल(ब्यावर वाले), लाड़जी मेहता, शकुंतला बोहरा, निलेश कांठेड़ ने भी काव्य रचनाओं एवं विचारों के माध्यम से गुरूदेव चौथमलजी म.सा. के प्रति श्रद्धाभावों को व्यक्त किया। धर्मसभा में अतिथियों का स्वागत श्रीसंघ के अध्यक्ष राजेन्द्र चीपड़ एवं चातुर्मास संयोजक नवरतनमल बम्ब ने किया। संचालन श्रीसंघ के मंत्री राजेन्द्र सुराना ने किया।

शांतिभवन श्रीसंघ ने किया श्रेष्ठ सेवाएं देने वालों का सम्मान

धर्मसभा में शांतिभवन श्रीसंघ की ओर से चातुर्मास को सफल बनाने में श्रेष्ठ सेवाएं देने वाले कर्मचारियों एवं चातुर्मास के लिए गठित समितियों के संयोजकों व सदस्यों आदि पदाधिकारियों व कार्यकताओं का सम्मान किया गया। चातुर्मास में विभिन्न आयोजनों के माध्यम से सहयोग करने पर जैन कॉन्फ्रेंस महिला शाखा की राष्ट्रीय अध्यक्ष पुष्पा गोखरू, जैन कॉन्फ्रेंस राजस्थान महिला शाखा की महामंत्री चंदा कोठारी का भी सम्मान किया गया। श्री श्री शांति जैन महिला मंडल की अध्यक्ष स्नेहलता चौधरी, मंत्री सरिता पोखरना सहित अन्य पदाधिकारियों एवं श्री महावीर युवक मंडल सेवा संस्थान के अध्यक्ष प्रमोद सिंघवी, मंत्री अनुराग नाहर सहित अन्य पदाधिकारियों का भी शांतिभवन श्रीसंघ की ओर से सम्मान किया गया। चातुर्मास में श्रेष्ठ सेवाएं देने पर सम्मानित होने वाले कर्मचारियों में डॉ. अनंत ओझा, गोपाल तिवाड़ी, दिलीप संचेती, शांतिलाल साहू, विजयसिंह आंचलिया, भीखम सिसोदिया, घीसूलाल तेली, कृष्णाबाई, ताराचंदजी, विनोद सैनी, शैतानसिंह गुर्जर, भरत मीणा शामिल थे। इसी तरह सम्मानित होने वाले पदाधिकारियों एवं सदस्यों में श्रीसंघ के अध्यक्ष राजेन्द्र चीपड़, मंत्री राजेन्द्र सुराना, चातुर्मास संयोजक नवरतनमल बम्ब, वित्त संयोजक मनोहरलाल सूरिया, चातुर्मास सह संयोजक सुरेशचन्द्र सिंघवी, प्रमोदकुमार सिंघवी, वित्त समिति के सदस्य मदनलाल चौरड़िया, निर्मलपाल डागा, संजयकुमार रांका, अनुराग नाहर, भोजन निर्माण समिति के संयोजक बाबूलाल सूरिया, मानसिंह भंडारी, सुरेशकुमार सूरिया, प्रकाशचन्द्र बाबेल,कुलदीप चंडालिया, राजकुमार बाबेल, राजेन्द्रसिंह कोठारी, नवकार मत्र जाप संचालन समिति के संयोजक गौरव तातेड़, सुनील पीपाड़ा, प्रकाशचन्द्र बाबेल, पंकज मेरतवाल, रीना सिसोदिया, मीनाक्षी डागा, मीडिया प्रभारी निलेश कांठेड़, खाद्य सामग्री क्रय समिति के संयोजक अमरसिंह डूंगरवाल, आवास पूछताछ समिति के संयोजक गोपाललाल लोढ़ा, मदनलाल सिपानी, प्रचार प्रसार समिति के मनीष बंब, वेयावच्च समिति के संयोजक पुखराज धमाणी, पीयूष खमेसरा, जितेश चपलोत, धर्मीचंद बापना, अंशुकुमार लोढ़ा,महेन्द्रसिंह छाजेड़, विमला सिसोदिया आदि शामिल थे।

भगवान महावीर महामस्तकाभिषेक महोत्सव समिति ने

महामस्तकाभिषेक महोत्सव स्मारिका में आशीर्वचन हेतु आर्यिका श्री स्वस्ति भूषण माताजी से लिया आशीर्वाद

जयपुर. शाबाश इंडिया

भगवान महावीर महामस्तकाभिषेक महोत्सव समिति ने भट्टारक जी की नसियां के अतिथि गृह में विराजमान गणिनी आर्यिका श्री स्वस्ति भूषण माताजी को अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल एवं महामंत्री महेन्द्र कुमार पाटनी के नेतृत्व में श्रीफल भेंट किया। इस मौके पर समिति पदाधिकारियों ने भगवान महावीर के मस्तकाभिषेक महोत्सव के लिए प्रकाशित की जाने वाली स्मारिका में आशीर्वचन प्रदान करने के लिए माता जी से प्रार्थना की। माताजी ने वार्तालाप के दौरान यह कहा कि महावीरजी मस्तकाभिषेक के कार्यक्रम के दौरान वे 27 वर्ष के पश्चात श्री महावीरजी (जयपुर से मुरैना जाते हुए) से गुजरेगी। इस मौके पर वो दो-तीन दिन के लिए श्री महावीर जी रुकना चाहेंगी। समिति ने कहा कि आपका सानिध्य व आशीर्वाद हमारे लिये पुण्य योग हैं।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स का शुभारम्भ - राजनेतिक जनप्रतिनिधियों ने किया उदघाट्न

कोटा. शाबाश इंडिया। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स का शुभारम्भ आर के नगर मेन रोड़ पर हुआ। शोरूम का उदघाटन कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पंचायत समिति सदस्य रईस खान और वार्ड पार्षद जियाउद्दीन राजू ने किया इस अवसर पर कांग्रेस नेता मंजूर तंवर, मोहम्मद हुसेन भाजपा नेता रईस नवाब मजदूर नेता आजाद शेरवानी आसफि या सोसायटी से मो. रहीम पठान, नासिर सुल्तान, जाकिर आसफी, मोहम्मद हनीफ, असलम आसफी, सरफराज हुसेन, शकील शेरवानी, शहाबुद्दीन, रियाज नवाब, मो. सुहेल कुरेशी, आसिफ आसफी, मो. आसिफ और मोहम्मद मतीन (हकीम साहब) मौजूद रहे। पुलिस लाइन के नजदीक पुलिया के पास मेन रोड़ आर के नगर में इस शोरूम का शुभारंभ किया गया हे भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के मालिक रिटायर्ड ए एस आई शहाबुद्दीन ने बताया कि हमारे पास हायर कम्पनी की एजेंसी हे हमारे शोरूम में हायर कंपनी के फ्रि ज एयर कंडीशनर वाशिंग मशीन इत्यादि सभी उत्पाद उचित दाम पर उपलब्ध करवाये गये हैं।

आदिनाथ चालीसा एवं भक्तामर का पाठ किया

रिद्धि मंत्रों के साथ दीप प्रज्वलन किए

टोंक. शाबाश इंडिया

परम पूज्य गणिनी आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी के आशीर्वाद एवं प्रेरणा से पुरानी टोंक महिला मंडल आदिनाथ शुभकामना परिवार की ओर से आदिनाथ चालीसा पाठ एवं भक्तामर पाठ का आयोजन किया गया । समाज के प्रवक्ता राजेश अरिहंत ने बताया कि शुभकामना परिवार की ओर से शुक्रवार को देवउठनी एकादशी के शुभ अवसर पर भक्तामर पाठ का आयोजन किया गया चंद्र भवन में आयोजित कार्यक्रम में सर्वप्रथम आदिनाथ भगवान के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन किया गया एवम मंगलाचरण प्रस्तुत किया गया तत्पश्चात भक्तामर के 48 ऋद्धि मंत्रों द्वारा उच्चारण करते हुए 48 दीप प्रज्वलित किए गए भक्ति भाव के साथ आदिनाथ चालीसा का पठन करते हुए भक्ति नृत्य प्रस्तुत किए स्वस्ति भूषण माताजी का 53 वां अवतरण दिवस मनाते हुए माता जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन कर विनतीया प्रस्तुत की गई देव शयनी एकादशी के उपलक्ष में घी के 11 दीपक जला कर भगवान की आरती के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ इस अवसर पर चमेली पिंकी शैफाली संजू संतोष इंदिरा अनिता सरोज सुमन मंजू रेखा बीना आदि मौजूद थी।

मानसरोवर वाकरस समिति स्टेडियम का दीपावली स्नेह मिलन

जयपुर. शाबाश इंडिया

मानसरोवर वाकरस समिति का दीपावली स्नेह मिलन समारोह मानसरोवर के स्टेडियम में आयोजित किया गया। समिति के मंत्री महावीर जैन बाकलीवाल ने बताया कि इस मिलन समारोह में वाकरस समिति द्वारा किये गए कार्य को अध्यक्ष नन्द किशोर कम्बोज ने विस्तृत रूप से बताया। देवेंद्र लाम्बा ने उपस्थित सभी सदस्यों अपना अपना परिचय दिया । साथ ही मानसरोवर के कावेरी पथ पर बने पोस्ट आफिस का जो पिछले 11 साल से बिल्डिंग बनने के बाद भी नहीं खुला था उन्होंने अपने अथक प्रयास से चालू करवाया। कम्बोज साहब का स्वागत किया। मंत्री महावीर जैन बाकलीवाल ने पधारे हुए सभी सदस्यों को धन्यवाद दिया और आभार जताया।

जैन राजनीतिक चेतना मंच के राष्ट्रीय अधिवेशन का हुआ हर्षोल्लास के साथ समापन

सम्पूर्ण भारतवर्ष के विभिन्न राजनितिज्ञों ने किया अधिवेशन को सम्बोधित

बागपत. शाबाश इंडिया

श्री भारतवर्षीय दिगंबर जैन महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष गजराज जैन गंगवाल की अध्यक्षता में त्रिलोकतीर्थ-धाम अतिशय बडागांव (बागपत) उत्तर प्रदेश की पावन धरा पर जैन राजनीतिक चेतना मंच के राष्ट्रीय का 6 नवंबर 2022 को दो दिवसीय कार्यक्रम का भव्यता के साथ समापन हुआ, जैन समाज के मीडिया प्रवक्ता राजाबाबू गोधा ने इस ऐतिहासिक सम्मेलन में शिरकत करते हुए बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि गुलाबचंद कटारिया विपक्ष नेता राजस्थान सरकार, प्रदीप जैन आदित्य पूर्व मंत्री भारत सरकार, तथा चंद्रराज जैन सिंघवी पूर्व कैबिनेट मंत्री राजस्थान सरकार सहित देश के विभिन्न सांसदों, विधायकों एवं राजनीतिज्ञो सहित समाज के विभिन्न पदाधिकारियों ने इस अधिवेशन को संबोधित किया। गोधा ने अवगत कराया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जैन समाज के सभी संगठनों को एक प्लेट फार्म पर आकर समाज की एकता को प्रदर्शित करते हुए जैन समाज में राजनेतिक चेतना उत्पन्न करना,ओर राजनीति क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना, जैन समाज व विभिन्न राजनीतिक दलों के बीच सामंजस्य स्थापित करना जिससे सभी साधर्मी बन्धु अधिक से अधिक संख्या में लोकसभा, विधानसभा, विभिन्न निकायों के साथ पंचायत क्षेत्रों में भी मजबूती के साथ अपनी उपस्थिति दर्ज करा सके तथा जैन राजनेतिक मंच में राष्ट्रीय, प्रादेशिक, तथा जिला स्तरीय पदाधिकारी वर्षो से अपनी सेवाएं देते आ रहे हैं उन्हे समाज के उत्थान हेतु आगे बढ़ाने जैसे अनेक महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा होने के साथ ही जैन राजनेतिक चेतना मंच में ज्यादा से ज्यादा सदस्य बनाकर इसमें मजबूती लाना, सभी जगह कोर कमेटियां गठित करना आदि आदि विषयों पर उक्त अधिवेशन में जोर दिया गया। अध्यक्ष गजराज गंगवाल ने अवगत कराया कि जैन राजनेतिक चेतना मंच में ज्यादा से ज्यादा युवाओं को जोड़ा जाना चाहिए युवाओं की भागीदारी से राजनेतिक क्षेत्र में ज्यादा मजबूती आयेगी,इसमें पूर्व सभी पदाधिकारियों ने दीप प्रज्वलन कर नवकार मंत्र के साथ कार्यक्रम की शुरूआत की कार्यक्रम में श्री भारतवर्षीय जैन महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष गजराज जैन, महामंत्री प्रकाश बड़जात्या, गुलाबचंद कटारिया विपक्ष नेता राजस्थान सरकार, प्रदीप जैन आदित्य पूर्व मंत्री भारत सरकार, चंद्रराज सिंघवी पूर्व कैबिनेट मंत्री राजस्थान सरकार,राजनेतिक चेतना मंच के महामंत्री ललित जैन, एम.पी.जैन जयपुर, रविन्द्र काला इंदोर, कोषाध्यक्ष विनोद जैन खरगोन, अनिल जैन भारतीय जनता पार्टी के उपाध्यक्ष गोवा प्रदेश, सुन्दरलाल डागरिया जैन महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उदयपुर, महासभा के राजेश शाह उदयपुर, ताराचंद जैन अध्यक्ष झारखंड राज्य दिगम्बर जैन धार्मिक न्यास बोर्ड, प्रमेन्द्र जैन अल्पसंख्यक मोर्चा उत्तर प्रदेश, सुभाष काला श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा तीर्थ संरक्षणी उपाध्यक्ष भोपाल, सुकीर्ति जैन पूर्व विधायक कटनी,मंच के राष्ट्रीय मंत्री अरूण जैन दिल्ली, राजनेतिक चेतना के अध्यक्ष विनेश सोगानी जयपुर , त्रिलोक जैन त्रिलोक तीर्थ धाम बड़ागांव, अरूण जैन कर्नाटक, आलोक जैन दिल्ली मंच के राष्ट्रीय सचिव, राष्ट्रीय सचिव प्रमोद जैन फरुखाबाद, जैन राजनेतिक चेतना मंच के वरिष्ठ राष्ट्रीय सचिव सुमत जैन दिल्ली, तथा जैन राजनेतिक चेतना मंच राजस्थान के प्रवक्ता राजाबाबू गोधा सहित सारे भारतवर्ष से आये अनेक राजनितिज्ञो, प्रबुद्ध जनों , संस्था प्रधानों व विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों ने कार्यक्रम में शिरकत करते हुए कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

जैनपुरी में हुआ भव्य शिलान्यास

जैनपुरी. शाबाश इंडिया। प्राचीन श्री चन्द्रप्रभ दिगम्बर जैन कुआंवाला मन्दिर, जैनपुरी में परम पूज्य आचार्य श्री 108 अतिवीर जी मुनिराज के पावन सान्निध्य में जैन मांगलिक भवन का शिलान्यास विधि विधान पूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर डॉ. अजेश जैन शास्त्री ने सभी मांगलिक कार्य संपन्न कराये । मुख्य शिलान्यास करने का सौभाग्य अजित जैन पंसारी परिवार को प्राप्त हुआ तथा अन्य सौभाग्यशाली परिवारों ने विभिन्न शिलाएं विराजमान कर पुण्यार्जन किया । धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य श्री ने कहा कि अत्यंत पुण्यशाली व्यक्ति ही जिनायतन के निर्माण में अपना द्रव्य लगा पाते हैं । इस अवसर पर जैन समाज के लोगों ने जैन मांगलिक भवन के निर्माण में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। संतों के प्रवास, आहार, विश्राम आदि दैनिक चर्या के लिए वस्तिका का निर्माण करना प्रत्येक समाज का कर्तव्य होता है। प्रबंधन समिति ने समाज के सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों व अतिथियों का अभिनंदन किया। उल्लेखनीय है कि आचार्य श्री अतिवीर जी मुनिराज के मंगल चातुर्मास निष्ठापन व पिच्छिका परिवर्तन समारोह का आयोजन वार्षिक रथयात्रा महामहोत्सव के अवसर पर दिनांक 13 नवम्बर को अतिशय क्षेत्र नसियां जी में किया जा रहा है ।

ब्लैक काफी पीने से वेट लॉस नहीं होगा: कोच शिवांगी

जयपुर. शाबाश इंडिया। जयपुर रनर्स का इस बार का मंथली रन काफी स्पेशल रहा जिसमें रन के बाद मियर विटाबायोटिक के साथ फ्री बॉडी मास डेन्सिटी टेस्ट कैम्प आयोजित किया गया साथ ही फि ट्नेस कोच शिवांगी के साथ फि ट्नेस सेशन आयोजित किया गया। जयपुर रनर्स क्लब की अध्यक्ष डॉक्टर साधना आर्य , को फाउंडर रवि गोयनका ओर मुकेश मिश्रा ने बताया कि रन की शुरूआत सुबह 6 बजे सेंट्रल पार्क से हुई जिसमें बड़ी संख्या में रनरस ने 10 ओर 5 किमी की दौड़ लगायी , रन के बाद फार्मा कम्पनी मियर विटाबायोटिक के साथ बीएमडी ओर बीएमआइ का फ्री कैम्प बिडला की महाराज कैफे में आयोजित किया गया । जहां रनर्स को फि ट्नेस कोच शिवांगी ने रनिंग के टिप्स देते हुए रन के पहले ओर बाद में स्ट्रेचिंग के तरीके बताए साथ ही रन से पहले ओर बाद में सही डाइट के टिप्स देते हुए बताया की लोगों में एक मिथ है की सुबह खाली पेट ब्लैक कोफी पीने से वजन कम होता है जो की सही नहीं है, सिर्फ ब्लैक कोफी पीने से ही वेट कम नहीं होगा इसके लिए रेगुलर व्यायाम ओर सही डाइट जरूरी है।